

Brief Contents

1. Impact Of Gst Among Footwear Industry	1—4
-1. Manish Sharma 2. DR. Rajesh Kumar, Hathras (U.P.)	
2. Projection of Women's Image in Media: How Realistic and Inclusive the Picture is?	5—9
-1. Ayushi Maurya 2. Vinod Kumar Pandey 3. Prof. Ravi Kumar Mishra, Jaunpur (U.P.)	
3. Ways of stress management	10—15
-DR. Shaifali Agarwal, Moradabad (U.P.)	
4. Marine Pollution and its Impact on Marine Fisheries, Security of Food and Economy Study of Gulf of Kachchh	16—23
-Ritu Singh, NEW DELHI	
5. Review of "To Little Readers"	24—26
-DR. Vivek Mani Tripathi, China	
6. Remote sensing application techniques in precision agriculture	27—30
-DR. (Mrs) Sadhna Tyagi, Sonipat (Haryana)	
7. Manju Kapur As A Versatile Genius	31—34
-Arjoo Kharb, Shikohabad (U.P.)	
8. Role of National organizations in Disaster Prevention and Management	35—38
-DR. Sadhna Tyagi, Sonapat (Haryana)	
9. Changing Scenario Of Literacy Rate After Indepandance In Rural And Urban India	39—43
-DR. Surendar Choudhary, Hanumangarh (Rajasthan)	
10. Study of the effect of time duration of marijuana abuse on memory	44—47
-1. DR. Pranay Kumar Tripathi 2. Shivangi Trivedi, Ayodhya (U.P.)	
11. Spirituality: An accurate foundation of modern education	48—51
-DR. Shweta Singh, Modinagar (U.P.)	
12. अंतरिक्ष का कचरा, पर्यावरण संरक्षण का झगड़ा	52—53
- डॉ० अजय कुमार पाण्डेय, बलिया (उ०प्र०)	
13. उत्तराखंड राज्य की भौगोलिक एवं आर्थिक परिदृश्य के अध्ययन की आलोचनात्मक व्याख्या	54—58
- डॉ० ज्योति कुमार पंकज, दुमका (झारखण्ड)	
14. दृश्यचित्रण में समकालीन कला के पर्याय : सतीश चंद्र	59—62
- रुचिन वर्मा, आगरा (उ०प्र०)	
15. भारतीय ज्ञान परंपरा और 'जैन साहित्य'	63—69
- स्नेहा जैन, छतरपुर (म०प्र०)	
16. मेहरुन्सिा परवेज के कथा साहित्य का शिल्प—विधान	70—73
- रंजना, आजमगढ़ (उ०प्र०)	
17. डॉ० प्रताप सिंह चौहान की रचना प्रेरणा	74—77
- पुनीत कुमार सिंह, लखीमपुर—खीरी (उ०प्र०)	
18. भूमण्डलीयकरण एवं अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति आर्थिक समस्या एवं भारतीय जातीयता	78—82
- अनामिका कुमारी, बोध गया (बिहार)	
19. "हर लम्हा खुशियों का" पर्यटन कल, आज और कल	83—86
- डॉ० चन्द्रकेश कुमार, अम्बेडकर नगर (उ०प्र०)	

20. कार्यशील महिलाओं की कार्य दशाएँ (एक समाजशास्त्रीय अध्ययन) —अन्वेषिका कविता कुमारी, पटना (बिहार)	87—89
21. पिछड़े/जाति के मुसलमानों की समस्याएँ तथा राजनीतिक कार्यक्रम में सहभागिता (एक समाजशास्त्रीय अध्ययन) —जशन परवेज, औरंगाबाद (बिहार)	90—92
22. पं० श्रीनिवास शुक्ल की रचनाओं में मानवीय मूल्यों की अवधारणा —1. भारती तिवारी 2. डॉ० कुंजीलाल पटेल, छतरपुर (म०प्र०)	93—94
23. दिव्यांग महिलाओं की शिक्षा एवं रोजगार के विभिन्न आयामों का विश्लेषणात्मक अध्ययन —1. अमिता मिश्रा 2. डॉ० रीना पांडेय, चित्रकूट (उ०प्र०)	95—98
24. गीतांजलि श्री के उपन्यास “माई” में प्रस्तुत “माई” की मनोदशा —श्रीमती डी० आमसवेनी मुरली, कोयम्बदूर (तमिलनाडु)	99—101
25. राम की शक्ति पूजा व राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन —चंदन कुमार, पटना (बिहार)	102—104
26. समाजीकरण में परिवार एवं मानसिक स्वास्थ्य की भूमिका —डॉ० स्वपना मीना, वाराणसी (उ०प्र०)	105—108
27. वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में छात्र की भूमिका —1. राजबहादुर पाल 2. डॉ० उमा शंकर सिंह, सुलतानपुर (उ०प्र०)	109—110
28. शैलीविज्ञान की दृष्टि से फणीश्वरनाथ रेणु की कहानियों का विश्लेषण —मधु कुमारी, चंडीगढ़ (पंजाब)	111—114
29. ‘अध्यात्म बारहखड़ी’ में छंद विधान —स्नेहा जैन, छतरपुर (म०प्र०)	115—120
30. वृत्तिविमर्श: —रविशंकर पाण्डेय, वाराणसी (उ०प्र०)	121—124
31. अपराध का बदलता आयाम —डॉ० अरुण कुमार तिवारी, महाराजगंज (उ०प्र०)	125—129
32. डॉ० श्यामसुन्दर दुबे की लोक दृष्टि —1. लेखनी सुमन 2. डॉ० कुंजीलाल पटेल, छतरपुर (म०प्र०)	130—133
33. उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यालयों में अध्ययनरत दिव्यांग और सामान्य विद्यार्थियों में समायोजन की स्थितियों का तुलनात्मक अध्ययन —1. नीलू सिंह 2. प्रो० जनार्दन प्रसाद शुक्ला, जौनपुर (उ०प्र०)	134—141
34. विभिन्नाचार्यों के मतानुसार रस के स्वरूप का विश्लेषणात्मक— अध्ययन —डॉ० जनार्दन झा, देवरिया (उ०प्र०)	142—145
35. रीतिमुक्त कवि बोधा के काव्य में स्वाभिमान की अभिव्यक्ति —राम नरेश यादव, दिल्ली	146—149
36. बुंदेली भाषा का लालित्य एवं शब्द संपदा —1. भान सिंह यादव 2. डॉ० सरोज गुप्ता, छतरपुर (म०प्र०)	150—151
37. किशोरों में व्यक्तिगत स्वच्छता के प्रति दृष्टिकोण (एक समाजशास्त्रीय अध्ययन) —1. डॉ० मधु कुमारी 2. निशान्त अंजुम, पटना (बिहार)	152—153
38. शराबबंदी ने बिहार के विकास को दी रफ्तार —ब्यूटी कुमारी, बोध गया (बिहार)	154—155
39. चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं में कार्यरत परिचारिकाओं (नर्सों) के बाधक कारक (एक समाजशास्त्रीय अध्ययन) —डॉ० शहनाज परवीन, बोध गया (बिहार)	156—157

40. महिला डेयरी विकास परियोजना अल्मोड़ा की दुग्ध समिति से जुड़ी महिलाओं की स्वास्थ्य व धार्मिक प्रस्थिति	158—164
—डॉ० हेमा जो जी, हल्द्वानी (उत्तराखण्ड)	
41. महात्मा गाँधी का दर्शन एवं नई तालीम की उपादेयता	165—168
—1. अनिल कुमार 2. प्रो० (डॉ०) आदित्य नारायण त्रिपाठी, सुलतानपुर (उ०प्र०)	
42. शुंग कालीन धार्मिक जीवन	169—172
—1. दलजीत 2. प्रो० उपमा वर्मा, अयोध्या (उ०प्र०)	
43. “मदन रस बरसे” : (बुन्देली ललित निबंध)	173—174
—1. भानसिंह यादव 2. डॉ० सरोज गुप्ता, छतरपुर (म०प्र०)	
44. प्राथमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों के उपस्थिति पर मध्याह्न भोजन योजना के प्रभावों का एक सूक्ष्म अध्ययन	175—177
—उमेश कुमार तिवारी, जौनपुर (उ०प्र०)	
45. वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भारत और योग	178—182
—डॉ० जोशी विभा प्रफुलभाई, पोरबंदर (गुजरात)	
46. परवेज नगर के लघु कृषकों की पारिवारिक—सामाजिक स्थिति का अध्ययन	183—185
—1. भानुप्रताप सिंह 2. प्रो० इला साह, अल्मोड़ा (उत्तराखण्ड)	
47. जौनपुर जनपद के माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरुष शिक्षकों की शिक्षण दक्षता का तुलनात्मक अध्ययन	186—188
—1. डॉ० योगेश कुमार 2. दक्षता सिंह, जौनपुर (उ०प्र०)	
48. महिला सशक्तिकरण के विविध आयाम	189—194
—दिनेश कुमार मौर्य, जौनपुर (उ०प्र०)	
49. वर्तमान परिप्रेक्ष्य में ऑनलाइन शिक्षा की आवश्यकता और चुनौतियाँ	195—197
—डॉ० शैलेश मिश्र, भागलपुर (बिहार)	
50. ग्रामीण एकल महिलाओं के समक्ष उत्पन्न सामाजिक—आर्थिक समस्याएँ : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन	198—201
—मीरा देवी, झाँसी (उ०प्र०)	
51. व्यावसायिक समाज कार्यकर्ताओं का कार्य निष्पादन : एक अध्ययन	202—205
—पवन कुमार, झाँसी (उ०प्र०)	
52. भारतीय इतिहास को जानने के साधन विदेशी यात्री विवरण	206—210
—मनोज कुमार, जयपुर (राजस्थान)	
53. मनुवादी संरचना में महिला व दलित महिला की स्थिति	211—213
—शिप्रा सिंह, नई दिल्ली	
54. महिला सशक्तिकरण एवं ग्रामीण विकास	214—215
—हरकेश मीणा, हनुमानगढ़ (राजस्थान)	
55. जैन दर्शन एवं बौद्ध दर्शन में मुक्ति मार्ग : एक अनुशीलन	216—219
—अमृत आनन्द सिन्हा, बोधगया (बिहार)	
56. जे० कृष्णमूर्ति के शिक्षा दर्शन का अध्ययन	220—223
—राकेश कुमार पाल, मद्रास (तमिलनाडु)	
57. भारत की जातिगत जनगणना का महत्व (एक समाज वैज्ञानिक अध्ययन)	224—228
—पुष्पा कुमारी सोनी, बोध गया (बिहार)	
58. धार्मिक व्यवहार में अनुसंधानों का महत्व (एक समाजशास्त्रीय अध्ययन)	229—232
—सुनील कुमार यादव, गया (बिहार)	
59. भारत में सतत विकास : चुनौतियाँ एवं रणनीति	233—235
—1. डॉ० अर्चना श्रीवास्तव 2. डॉ० राजीव कुमार श्रीवास्तव, बलिया (उ०प्र०)	

60. संस्कारों का महत्त्व एवं परिवर्तन (एक समाजशास्त्रीय अध्ययन) —सुनील कुमार यादव, गया (बिहार)	236—238
61. नारी सशक्तीकरण में 73वें संविधान संशोधन की भूमिका (एक समाजशास्त्रीय विश्लेषण) —डॉ० भावना पाण्डेय, गोरखपुर (उ०प्र०)	239—243
62. मेरा बचपन मेरे कंधों पर : दलित जीवन संघर्ष की त्रासदी —डॉ० प्रसेन जीत सागर, प्रतापगढ़ (उ०प्र०)	244—247
63. विविध धर्मों के वैचारिकता के दायरे में प्रकृति व पर्यावरण संरक्षण —डॉ० सरोज कुमार राही, प्रतापगढ़ (उ०प्र०)	248—251
64. वर्तमान परिदृश्य में वृद्धजनों की समस्याएँ —राजेश कुमार, जौनपुर (उ०प्र०)	252—254
65. जनपद गाजीपुर में कृषि संसाधनों का विवरण —शालिनी सिंह, गाजीपुर (उ०प्र०)	255—260
66. Water Pollution In The Area Of Rihand Reservoir —Urooj Fatma, Jaunpur (U.P.)	261—264
67. राजस्थान में जल संसाधन संरक्षण एवं विकास —अजीत कुमार सिंह, जौनपुर (उ०प्र०)	265—269
68. Food habits and Nutritional status of pregnant women living in rural and urban areas of Allahabad, India —1. Babita Gautam 2. K.K. Singh, Satna (M.P.)	270—274
69. दहेज हत्याओं से पड़ने वाले विभिन्न दुष्प्रभाव एक समाजशास्त्रीय अध्ययन —रूपल यादव, ग्रेटर नोयडा (उ०प्र०)	275—279
70. समाजशास्त्रीय अध्ययन की भारतीय परम्परा —डॉ० अरविन्द कुमार द्विवेदी, महाराजगंज (उ०प्र०)	280—281
71. मानव का प्राकृतिकरण और पर्यावरण संरक्षण —डॉ० अभिषेक लुनायच, भरतपुर (राजस्थान)	282—283
72. The New And Old Values Of Life In Bhabani Bhattacharya's Novel Music For Mohini —DR. Kirti Jain, Mainpuri (U.P.)	284—289
73. महिला समाज एवं सशक्तीकरण —1. पूनम वर्मा 2. डॉ० हरिवंश यादव, जौनपुर (उ०प्र०)	290—294
74. The Art and Architecture of the Shore Temples of Mahabalipuram: An Ancient Treasure by the Sea —Meghna Awasthi, Lucknow (U.P.)	295—297
75. पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं की भूमिका —राजेश कुमार यादव, गाजीपुर (उ०प्र०)	298—300
76. आर्थिक आत्मनिर्भरता के परिप्रेक्ष्य में स्वयं सहायता समूह का सामाजिक अध्ययन —हरेन्द्र यादव, गाजीपुर (उ०प्र०)	301—303
77. मानवाधिकार, सामाजिक व मानवीय संवेदना के प्रणेता डॉ० अम्बेडकर —राजेश कुमार यादव, गाजीपुर (उ०प्र०)	304—307
78. अन्त्योदय: पंडित दीनदयाल उपाध्याय की दृष्टि —प्र० राम कृष्ण उपाध्याय, बलिया (उ०प्र०)	308—310
79. जयशंकर प्रसाद के नाटकों में समाजवाद —आयुष बघेल, वाराणसी (उ०प्र०)	311—315

80. जी-20 के आयोजन से भारतीय समाज पर पड़ने वाले प्रभाव —डॉ० अतुल कुमार यादव, शिकोहाबाद (उ०प्र०)	316—324
81. उच्च शिक्षा और नैतिकता: पण्डित मदन मोहन मालवीय जी की परिदृष्टि —डॉ० विजय आनन्द, मथुरा (उ०प्र०)	325—327
82. महिला शिक्षा और आर्य समाज —1. अमृता सिंह, 2. प्र० सुगम आनन्द	328—332
83. शिक्षा का अधिकार अभियान, सर्व शिक्षा अभियान —तमन्ना अनवर, पटना (बिहार)	333—334
84. An Assessment Of The Physical Fitness Components Of Basketball Players Across Various Levels Of Competition —DR. Girish Kumar, Agra (U.P.)	335—338
85. रीतिकाल की काव्य चेतना —डॉ० आभा श्रीवास्तव, बलिया (उ०प्र०)	339—345
86. Crime Against Women In India —Firoz Ansari, Agra (U.P.)	346—352
87. Identification Of Service Centres —1. Shubham Yadav, 2. DR. Jogendra Singh, Firozabad (U.P.)	353—356
88. Thematic Concerns In The Novels Of Amitav Ghosh —DR. Ishwar Shran Srinivastava, Varanasi (U.P.)	357—360
89. वयस्क या प्रौढ़ शिक्षा से “सबके लिए शिक्षा” का सफर —देवेन्द्र कुमार, गाजियाबाद (उ०प्र०)	361—363
90. Economic Impact of Climate Change on Indian Agriculture: A Comprehensive Analysis —Dr. Tarannum Bano, Gorakhpur (U.P.)	364—372
91. भारत में गठबंधन सरकार एवं चुनौतियाँ —डॉ० पंकज चौधरी, शामली (उ०प्र०)	373—374
92. Political Economy of Education in India: A Historical and Contemporary Analysis of Government Policies and Financial Allocations —1. Vijay Khichar, 2. Dr. Abhishek Lunayach, Bharatpur (Rajasthan)	375—381
93. Benzothiazole Derivatives in Modern Drug Discovery: A Review —Dr. Rakesh Kumar, Deoria (U.P.)	382—387
94. हिमालय क्षेत्र में आपदाएं —डॉ० सुमन सिंह, महोबा (उ०प्र०)	388—390
95. जलवायु परिवर्तन और अर्थव्यवस्था: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन —डॉ० राकेश कुमार ओझा, गोरखपुर (उ०प्र०)	391—393
96. The Educational Role of the Sufi Khanqah in Medieval India Women in Sufism: Historical Perspective and Contemporary Relevance —Md. Imtyaz, Gopalganj (Bihar)	394—399